



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 1 सितम्बर, 2003/10 भाद्रपद, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

ग्रधिसूचनाएं

शिमला, 28 जून, 2003

संख्या पी० सी० एच० एम० एम० एल० (उप० नि०) 14/2001.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 को धारा 126 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम, 124 के अनुसरण में, मैं, एस० के० वी० एस० नेगी उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, जून, 2003 में हुए ग्राम पंचायतों/पंचायत समिति के उप-चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों के परिणाम प्रत्येक पदाधिकारी के नाम व पते सहित निम्न अनुसार ग्राम जनता की जानकारी हेतु प्रकाशित करता हूँ :—

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों/पंचायत समिति का नाम	निर्धारित पदाधिकारी का नाम व पता
1	2	3	4

1.	चौपाल	प्रधान, ग्राम पंचायत, मधाना	श्रीमती अनिता देवी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह, गांव कुन्दन, डा० मधाना, तहसील चौपाल।
----	-------	-----------------------------	---

1	2	3	4
2.	मशोबरा	प्रधान, ग्राम पंचायत, बरभोग	श्री शिव राम, गांव काष्ठट, डा0 फागू, तहसील व जिला शिमला ।
		उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, धमून	श्री राम दयाल, गांव बधली, डा0 बडेहरी, तहसील व जिला शिमला ।
		सदस्य, ग्राम पंचायत जनेडघाट, वार्ड नं0 4, वारची ।	कुमारी गीता देवी पुत्री श्री पलक राम, गांव मानवशील, डा0 जनेडघाट, तहसील जुन्गा, जिला शिमला ।
3.	रामपुर	उप-प्रधान ग्राम पंचायत दत्तनगर	श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री जानकी दास, गांव नीनणू, डा0 निरथ, तहसील रामपुर, जिला शिमला ।
		सदस्य, ग्राम पंचायत बाहली, वार्ड नं0 4, पल्जारा-1.	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री प्यारे लाल, गांव भमराला, डा0 बाहली, तहसील रामपुर, जिला शिमला ।
4.	नारकण्डा	उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, शिवाण	श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री हिरामणी, गांव सेरधार, डा0 शिवान, तहसील कुमारसैन, जिला शिमला ।
5.	जुब्बल-कोटखाई	प्रधान, ग्राम पंचायत, कुड्डू	श्री हुक्म चन्द पुत्र श्री बणू राम, गांव नालियां, डा0 डाडी-रावत, तहसील जुब्बल, जिला शिमला ।
6.	बसन्तपुर	सदस्य, ग्राम पंचायत धरोगड़ा, वार्ड नं0 3, धरोगड़ा-1.	श्रीमती राधा पत्नी श्री भरत सिंह, गांव डमोग, डा0 धरोगड़ा, तहसील सुन्नी, जिला शिमला ।
		सदस्य, ग्राम पंचायत बल्देयां, वार्ड नं0 5, काण्डा ।	श्री सीता राम पुत्र श्री गोरखू राम, गांव कुई, डा0 गुम्मा, तहसील सुन्नी, जिला शिमला ।
		सदस्य, ग्राम पंचायत शकरोड़ा, वार्ड नं0 1 मकडच्छा ।	श्री इन्द्रजीत शर्मा पुत्र श्री दौलत राम शर्मा, गांव मकडच्छा, डा0 चावा, तहसील सुन्नी, जिला शिमला ।
7.	चिड़गांव	सदस्य, ग्राम पंचायत रोहल, वार्ड नं0 4, चिचवाड़ी ।	श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री जालम, गांव चिचवाड़ी, डा0 रोहल, तहसील चिड़गांव, जिला शिमला ।
		सदस्य, पंचायत समिति, वार्ड नं0 8, डिसवाणी गवास ।	श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री ईश्वर दास, गांव डिसवाणी, डा0 कलोटी, तहसील चिड़गांव, जिला शिमला ।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे) 2002-222-29.—एतद्द्वारा श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली सदस्या, ग्राम पंचायत माहौग, वार्ड नं० 5, किलरा, विकास खण्ड ठियोग, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है:

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी: जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष के अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000, जाँकि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक संतान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/संतान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग ने अपने पत्र संख्या टी०एच०जी० पंच (दो बच्चे) 2002-3187 दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 20-7-2002 की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ संख्या-184 पर दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित आयोज्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत माहौग को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण वर्राओ नोटिस को प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत माहौग के वार्ड नं० 5 से सदस्य का पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-230-36.—एतद्द्वारा श्री मोहिन्द्र सिंह, सदस्य ग्राम पंचायत बगैण, वार्ड नं० 5, विकास खण्ड ठियोग, जिला शिमला हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122.(1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है:

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000: जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक संतान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त संतानें/संतान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग ने अपने पत्र संख्या टी0 एच0 जी0 पंच (2 बच्चे)/2002-3187 दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 18-7-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 12 दिनांक 27-7-2002 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री मोहिन्द्र सिंह सदस्य वार्ड नं0 5, ग्राम पंचायत वर्गण को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत वर्गण के वार्ड नं0 5 में सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0-एम0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-237-43.—एनद्वारा श्री ईन्द्र सिंह, उप प्रधान, ग्राम पंचायत मुण्डू, विकास खण्ड नारकण्डा, जिला शिमला (हि0 प्र0) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :-

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तानें हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत अधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग ने अपने पत्र संख्या टी0 एच0 जी0 पंच (2 बच्चों सम्बन्धी) 2002-3187 दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 14-7-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ संख्या-4 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री ईन्द्र सिंह, उप-प्रधान ग्राम पंचायत मुण्डू को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपने पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत मुण्डू के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-244-50.—एतद्वारा श्रीमती चम्पा उर्फ रीना मदस्या, ग्राम पंचायत बलग, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड डियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवन सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 में लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी डियोग ने अपने पत्र संख्या टी० एच० जी० पंच (2 बच्चे)/200 2-3187, दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 15-11-2001 को पांचवीं सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 41, दिनांक 3-12-2001 में दर्ज है जोकि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० वी० एम० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती चम्पा उर्फ रीना, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बलग को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत बलग के वार्ड नं० 1 में सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-251-57.—एतद्वारा श्री चपन लाल, सदस्य ग्राम पंचायत, धमानदरी, वार्ड नं० 5, विकास खण्ड डियोग, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती (संशोधित) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग ने अपने पत्र संख्या टी० एच० जी० पंच (2 बच्चे)/2002-3187 दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 28-9-2001 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर में दिनांक 7-10-2001 को दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है ।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री चमन लाल, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत धमानदरी को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत धमानदरी के वार्ड नं० 5 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये । उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाई अमल में लाई जायेगी ।

— — — — —
शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एस० एल० (दो बच्चे)/2002-258-64.—एतद्वारा श्री दीलत राम, सदस्य ग्राम पंचायत बलधार, वार्ड नं० 5, विकास खण्ड ठियोग, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है ।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत अधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा ।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग ने अपने पत्र संख्या टी० एच० जी० पंच (दो बच्चे) 2002-3187, दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 7-2-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर में क्रमांक 17 पर दिनांक 14-3-2002 को दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है ।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री दीलत राम, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बलधार को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत बलधार के वार्ड नं० 5 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये । उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी ।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-265-71. एतद्वारा श्री मोती राम सदस्य ग्राम पंचायत, कमाह वार्ड नं0 1 विकास खण्ड टियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है:

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, टियोग में अपने पत्र संख्या टी0 एच0 जी0 पंच (2 बच्चे) 2002-3187 दिनांक 15-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 18-3-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 6 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एम0 के0 वी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री मोती राम सदस्य वार्ड नं0 1 ग्राम पंचायत कमाह को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण वताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत कमाह के वार्ड नं0 1 में सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-272-78.—एतद्वारा श्री प्रेम दास सदस्य, ग्राम पंचायत जनेडघाट, वार्ड नं0 3, विकास खण्ड मशोवरा जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जोकि निम्नतः है:

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जोकि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा ने अपने पत्र संख्या एस0 बी0 2863, दिनांक 13-11-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 8-11-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 4, दिनांक 8-11-2001 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री प्रेम दास सदस्य, वार्ड नं0 3, ग्राम पंचायत जनैडघाट को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत जनैडघाट के वार्ड नं0 3 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-279-85. —एतद्वारा श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत बलोग, वार्ड नं0 1, विकास खण्ड मशोबरा, जिला शिमला (हि0 प्र0) का ध्यान हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगा जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत अधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है यथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है, तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा में अपने पत्र संख्या ए0 ए0 बी0 2863, दिनांक 13-11-02 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 10-12-2001 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक-39 दिनांक 31-12-2001 में दर्ज है, जो कि हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य ग्राम पंचायत बलोग को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत बलोग के सदस्य वार्ड संख्या-1 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है। तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0 एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-286-92.—एतद्वारा श्री नरेश कुमार, सदस्य ग्राम पंचायत चायली, वार्ड नं0 2, विकास खण्ड मशोबरा, जिला शिमला (हि0 प्र0) का ध्यान हिमाचल प्रदेश

पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक संतान है तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त संतान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा ने अपने पत्र संख्या ए0 ए0 बी0 2863, 13-11-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 20-6-2002 को तीसरी संतान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 13/92, दिनांक 15-7-2002 में दर्ज है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत दणित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री नरेज कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत चायली को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण अतः नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत चायली के वार्ड संख्या 2 से सदस्य पद से रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है, तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0सी0एच0-एस0एम0एल0 (दो बच्चे)/2002-293-99.—एतद्द्वारा श्री महेश चन्द, सदस्य ग्राम पंचायत, चमियाना बार्ड नं0 3, विकास खण्ड मशोबरा, जिला शिमला (हि0 प्र0) का ध्यान हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी, जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक संतान है तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त संतान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबराने अपने पत्र संख्या ए0 ए0 बी0 2863, दिनांक 13-11-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 20-10-2001 को तीसरी संतान उत्पन्न हुई है, जिसका

इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक-22 दिनांक 5-11-2001 में दर्ज है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री महेश चन्द, सदस्य ग्राम पंचायत चमियाना को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत चमियाना के वार्ड संख्या-3 से सदस्य पद की रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है, तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-ए० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-300-06. —एतद्वारा श्री रत्न सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत कुफरी शवाह वार्ड नं० 4 विकास खण्ड मशोबरा, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) को और आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जोड़ित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किस पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबराने अपने पत्र संख्या ए० बी० 2003-740, दिनांक 10-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 3-11-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक-11, दिनांक 22-11-2002 में दर्ज है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री रत्न सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत कुफरी शवाह को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत कुफरी शवाह के वार्ड संख्या-4 से सदस्य पद की रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-ए० एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-307-13. —एतद्वारा श्री रमेश चन्द, सदस्य ग्राम पंचायत कांगल, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड नारकण्डा, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल

प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, नारकण्डा ने अपने पत्र संख्या के 0 वी 0 एन 0 (2 बच्चे)/2002-2860, दिनांक 12-11-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 18-5-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 17, दिनांक 26-5-2002 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस 0 के 0 वी 0 एस 0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री रमेश चन्द, सदस्य वार्ड नं 0 3 ग्राम पंचायत कांगल को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बनाओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत कांगल के वार्ड नं 0 3 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाई अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी 0 सी 0 एच 0-एस 0 एम 0 एल 0 (दो बच्चे)/2002-314-20.—एतद्द्वारा श्रीगता अनिता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत नालदह्रा, वार्ड नं 0 5, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जोकि निम्नतः है :

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या ५० नि० (विविध)/2003-3195, दिनांक 12-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 28-6-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 1, दिनांक 2-8-2002 में दर्ज है जोकि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती अनिता देवी, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत नावदेहरा को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत नावदेहरा के वार्ड नं० 5 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पीसी एच-एस एमएल (दो बच्चे) 2002-321-27.—एतद्वारा श्री राजेन्द्र मिह वर्मा, सदस्य ग्राम पंचायत, डुम्मी, वार्ड नं० 4, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संगोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संगोधन) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 में लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या ५० नि० (विविध)/2003-4195, दिनांक 12-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 27-6-2001 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 1, दिनांक 27-8-2001 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है :

अतः मैं एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री राजेन्द्र सिंह सदस्य वार्ड नं० 4 ग्राम पंचायत डुम्मी को निर्देश देना हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत डुम्मी के वार्ड नं० 4 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी०सी०एच०-एम०एस०एल० (दो बच्चे)/2002-328-34. एतद्वारा श्री नौख राम, सदस्य ग्राम पंचायत, बसन्तपुर वार्ड नं० 4 कदीग, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला (हि० प्र०) का ध्यान हि० प्र० पंचायती

राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 में लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/संतान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या प0 नि0 (विविध)/2003-4195, दिनांक 12-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 6-3-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक दिनांक शून्य में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एम0 नेगी, उपायुक्त जिल्ला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री नोबल राम सदस्य वार्ड नं0 4 कदौग, ग्राम पंचायत बसन्तपुर को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्या न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत बसन्तपुर के वार्ड नं0 4 कदौग में सदस्य पद की रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अभिल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0 एम0 एम0 एल0 (दो वच्चे)/2002-335-41.--एतद्वारा श्रीमती गीता देवी सदस्या ग्राम पंचायत, बल्देया वार्ड नं0 7 भान्दर, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला (हि0 प्र0) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है :

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 में लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तानें/संतान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या प0 नि0 (विविध)/2003-4195 दिनांक 12-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 9-4-2002 को तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक शून्य दिनांक शून्य में दर्ज

है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती गीता देवी सदस्या वार्ड नं० 7 मान्दर ग्राम पंचायत बल्देयां को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत बल्देयां के वार्ड नं० 7 मान्दर से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाये। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-342-48.—एतद्द्वारा श्रीमती तारा बती सदस्या, ग्राम पंचायत घैणी, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जोकि निम्नतः है :

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जोवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी, जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 जोकि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् और अतिरिक्त सन्तान/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या प० नि० (विविध)/2003-4195, दिनांक 12-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 25-6-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ संख्या-66 के क्रमांक 15 में दर्ज है जोकि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती तारा बती सदस्या, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत घैणी को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत घैणी के वार्ड नं० 3 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला, 5 अगस्त, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-349-55.—एतद्द्वारा श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्या ग्राम पंचायत शकरोडी, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का ध्यान

हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो कि निम्नतः है:

“(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निर्गृहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथार्थ्यति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, जो कि 8 जून, 2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) के प्रावधान अनुसार 8-6-2001 के पश्चात यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व 2 या 2 से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात और अतिरिक्त सन्तानें/सन्तान पैदा होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर ने अपने पत्र संख्या प० नि० (विविध)/2003-3192, दिनांक 11-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 24-10-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 6 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा-122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती गुड्डि देवी, सदस्या वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत शकरोडी को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत कर कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत शकरोडी के वार्ड नं० 2 से सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एस० के० बी० एस० नेगी,

उपायुक्त;

शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

